

# नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

## रणनीति और धैर्य का आदर्श उदाहरण

ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर भारत ने जो किया, वह सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट की जिजीविषा, रणनीति और धैर्य का आदर्श उदाहरण बन गया। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में 6 रन की यह जीत भारत की टेस्ट इतिहास में सबसे कम रनों के अंतर से दर्ज की गई जीत है—पर इसके मायने इससे कहीं अधिक हैं। यह सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं था, यह उस आत्मविश्वास, संयम और साहस की कहानी थी जो पांच दिनों में रचा गया।

जब इंग्लैंड को आखिरी दिन जीत के लिए 35 रन और भारत को 4 विकेट की जरूरत थी, तब मुकाबला गेंद और बल्ले के बीच एक शुद्ध युद्ध में तब्दील हो गया था। मोहम्मद सिराज और कृष्णा की जोड़ी ने उस निर्णायक क्षण में जो धार दिखाई, उसने क्रिकेट के हर प्रशंसक को रोमांचित कर दिया।

सिराज ने पूरे मैच में 5 विकेट चटकाए और अंतिम दिन 3 महत्वपूर्ण विकेट लेकर इंग्लैंड की रोड़ तोड़ दी। प्रसिद्ध कृष्णा, जो अपेक्षाकृत नए हैं, उन्होंने 4 विकेट लेकर यह जता दिया कि भारत की बेंच स्ट्रेंथ अब सिर्फ विकल्प नहीं, विजेता बनाने वाली शक्ति बन चुकी है।

374 रनों का लक्ष्य इंग्लैंड के लिए चुनौतीपूर्ण जरूर था, लेकिन बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ी की मौजूदगी और घरेलू परिस्थितियों का फायदा उन्हें मनोवैज्ञानिक बढ़त दे रहा था। भारत के लिए यहां जीत दर्ज करना सिर्फ तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मनोबल और मानसिक दृढ़ता की कसौटी थी—जिसे रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम इंडिया

ने बखूबी पार किया। यह जीत और भी खास इसलिए है क्योंकि इसने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज को 2-2 से ड्रा में बदल दिया, जो शुरुआती दौर में भारत के लिए कठिन दिख रही थी। यह न सिर्फ इंग्लैंड के घर में सम्मानजनक समापन था, बल्कि आगामी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए भी भारत ने खुद को मजबूती से तीसरे स्थान पर ला खड़ा किया है।

इस मुकामबले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि टेस्ट क्रिकेट न तो पुराना है, न बोरिंग। जब सही रणनीति, उत्साह, और जुनून होता है, तो पांच दिनों का खेल भी हर पल नया रोमांच रच सकता है। ओवल की इस जीत ने भारत को सिर्फ अंक नहीं,

बल्कि आत्मविश्वास, वैश्विक सम्मान और क्रिकेट की परिभाषा को दोबारा रचने की क्षमता प्रदान की है। इंग्लैंड के जबड़े से छीनी गई यह जीत आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में दर्ज होगी—और युवा खिलाड़ियों को यह सीख देगी कि धैर्य, मेहनत और जज्बा मिलकर हर असंभव को संभव बना सकते हैं। क्रिकेट की इस महत्वपूर्ण जीत से देश में खेलों का वातावरण बनेगा। खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र से प्रतिभाएं सामने आएंगीं। भारतीय क्रिकेट टीम ने जता दिया कि उसकी खेल प्रतिभाएं बड़े-बड़े नामों की मोहताज नहीं हैं। मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों का आगे आना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि मोहम्मद सिराज अत्यंत सामान्य परिवार और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं।

## मालवा - निमाड़ की डायरी

# पिता की साख पर फिर से जमीन तलाश रहे दीपक जोशी



संजय व्यास

भारतीय जन संघ से जनता पार्टी फिर टूटकर पृथक पार्टी बनी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी का नाम भी है, और उन्हीं की सियासी जमीन पर उनके पुत्र दीपक जोशी ने भी एक बार बागली विधानसभा से एवं एक बार हाटपिपलिया विधानसभा से जीत कर परंपरागत जमीन को बचाए रखा, लेकिन कमलनाथ सरकार के विद्रोह के समय ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस के कई विधायक भारतीय जनता पार्टी में आ गए, इस खेल में दीपक जोशी की परंपरागत सीट हाटपिपलिया उनके हाथ से चली गई और बागली सुरक्षित होने की वजह से पहले से ही छिन गई थी। हाटपिपलिया में कांग्रेस से जीतकर विधानसभा पहुंचे मनोज चौधरी उपचुनाव में भाजपा से जीतकर विधानसभा पहुंचे। उस समय भारतीय जनता पार्टी की मजबूती थी कि भाजपा सरकार बनने में मददगार रहे इन सिंधिया समर्थक विधायक को टिकट देना। सो दीपक जोशी के लाख जतन पर भी उप चुनाव में वे टिकट न पा सके, समय के साथ पार्टी में सम्मान नहीं मिलने के कारण दीपक जोशी ने विगत 2023 के चुनाव में कांग्रेस का दामन थाम लिया। भाजपा में रहते क्षेत्र की बची खुची सामान्य सीट कनौद-खातागंव विधानसभा सीट जिस पर दीपक जोशी की दाल गल सकती थी, पर अपने पैर पर कुहाहाड़ी मारते हुए इस सीट पर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ लिया और बुरी तरह हार गए, सरकार बनाना तो दूर प्रदेश में कांग्रेस पहले से और पिछड़ गई, ऐसे में दीपक जोशी अपने आप को ठगा महसूस कर रहे थे मौका देखकर बड़े नेताओं का हवाला देकर फिर से भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। पूर्व शिक्षा मंत्री रह चुके दीपक जोशी को पार्टी में रही अपने पिता की साख और महत्ता का ही सहारा है। विगत दिनों भोपाल में कैलाश जोशी के जन्म जयंती समारोह में भाजपा और संघ संगठन से जुड़े बड़े-बड़े राजनेताओं से मुलाकात हुई अब फिर से अपनी जमीन की तलाश में दीपक जोशी लग गए हैं।



हालांकि देवास जिले में अब ऐसी कोई सीट नहीं बची जहां उनकी दाल गल सके। विश्वस्त सूत्रों की माने तो भोपाल क्षेत्र में ही किसी विधानसभा से वह भाग्य आजमा सकते हैं लेकिन यह सब कुछ भाजपा संगठन की सहमति के बगैर संभव नहीं है। दूसरे स्तर की राजनीति जिसमें किसी निगम मंडल का अध्यक्ष बनने की भी कवायद लगाई जा रही है, हालांकि दीपक जोशी के सुपुत्र जयवर्धन जोशी भारतीय जनता पार्टी संगठन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं लेकिन विधानसभा से चुनाव लड़ना उनके बस की बात नहीं। अब किस्मत से बागली विधानसभा सामान्य सीट होती है तो दीपक जोशी की घर वापसी हो सकती है।

**माइक्रो फाइनेंस का मकड़ जाल**  
मंदसौर जिले में माइक्रो फाइनेंस का मकड़ जाल बढ़ता जा रहा है। ये गरीब मजदूर वर्ग की मजबूती का फायदा उठाकर मनमाने ब्याज लगाकर वसूली करते चले जा रहे हैं। मंदसौर जिले सहित माइक्रो फाइनेंस के नाम से गरोठ शामगढ़ में आरबीआई की गाइड लाइन की धजिया उड़ा रहे ऑफिस और बैंक संचालित हो रहे हैं। कई लोन बॉटने वाले माइक्रो फाइनेंस के एजेंट कमीशन और सेलरी के लिए दिनभर छोटी मोटी दुकान और गांव में घर घर जा चिकनी चुपड़ी बातों में उलझा कर लोन देकर मनमाना ब्याज वसूल कर रहे हैं। जिले में कई सोसाइटी और माइक्रो लोन कंपनियों सहित समूह लोन का कारोबार फल फूल रहा है। आम लोगों को पता ही नहीं कौन आरबीआई से कनेक्ट है और कौन फर्जी, अंततः नागरिकों के साथ बढ़ती लूट खसोट को लेकर हाल ही में जिला पुलिस कप्तान ने जांच के लिए थाना प्रभारियों को आदेश जारी किए हैं। अब देखना होगा कि इसमें कितने फर्जी निकलते हैं और क्या कार्रवाई होती है।

## विधायकों को नसीहत

अंचल के कई विधायकों में ठसका दिखाने का चलन हावी होता जा रहा है। उनकी भूमिका अक्सर उनके पुत्र निभाते जब-तब नजर आ जाते हैं। विगत दिनों ऐसे जनप्रतिनिधि पार्टी की बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निशाने पर रहे, नसीहत दी गई है कि आप सभी अपने परिवार को आगे बढ़ाने की बजाए पार्टी को आगे बढ़ाएं। सरकारी कामों और संगठन के कामों में विधायक खुद पहुंचें और बेटों को ना भेजें। क्योंकि कई जगहों पर बेटा ही भाषण देकर आ जाता है, इसलिए इन सब बातों का विशेष ध्यान रखा जाए।

# हेमंत के आह्वान को जमीन पर उतार रहे कैलाश



राकेश शर्मा

मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं में शामिल वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने निवास पर इंदौर शहर के प्रमुख नेताओं को भोजन पर आमंत्रित किया देखने में तो यह एक सामान्य प्रक्रिया लगती है पर इसके परिणाम कितने बेहतर हो सकते हैं, यह अगर आप विचार करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाय पर चर्चा कर पूरे देश का रुख बदल दिया था।

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सभी जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नेताओं को आह्वान किया था कि वह अपने निवास पर अन्य वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनके साथ भोजन करें, इससे आपस में प्रेम बढ़ता है और संवाद जब होता है तो कई तरह के विचारों का आदान-प्रदान आपस में होता है जिससे आपस में आत्मियता बढ़ती है। यह आपस के संवाद मेल-मुलाकात, एक दूसरे के परिवार में आना-जाना यह भाजपा की पूर्व परंपरा रही है।

## गडकरी ने की गांधी-नेहरू की सराहना

बीजेपी के अन्य नेताओं का दृष्टिकोण चाहे जैसा हो, लेकिन केंद्रीय भूतल परिवहन व महामार्ग मंत्री नितिन गडकरी अपने विचारों को लेकर बहुत स्पष्ट हैं। वे महत्त्वा गांधी या प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के प्रति अनावश्यक पूर्वाग्रह नहीं रखते, बल्कि उनके अच्छे कार्यों का उल्लेख करने में भी कंजूसी नहीं करते। एक ओर जहां अधिकांश शोर्ष बीजेपी नेता देश की सारी समस्याओं के लिए बार-बार नेहरू को दोषी ठहराते हैं और उन पर बंशवाद पनपाने का आरोप लगाते हैं, वहीं गडकरी ऐसा नकारात्मक रवैया नहीं अपनाते।

आजादी के बाद अपने देश के विकास की आधार शिला रखने वाले नेताओं के योगदान का उल्लेख वह निरंतर करते हैं। कान्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) के चैंडिडा झ 100 विजन में विदग्ध की भूमिका पर बोलते हुए गडकरी ने कहा कि विदग्ध क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए हमें नेहरू और गांधी के शब्दों को ध्यान में रखना होगा।

नेहरू ने कहा था कि भारत को अधिकतम उत्पादन करना चाहिए जबकि गांधी ने कहा था कि हमें अधिकतम उत्पादन के साथ ही अधिकतम लोगों का सहभाग भी चाहिए, इस तरह गडकरी ने राष्ट्रपिता महत्त्वा गांधी और आधुनिक भारत के निर्माता व औद्योगिकरण को बढ़ावा देने वाले प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू के उद्गारों का बेहिचक उल्लेख किया। गडकरी निष्पक्ष तरीके से अपनी बात रखते हैं और सही बात को सही तथा गलत को गलत कहने में कभी पीछे नहीं रहते। किसी को लग सकता है कि गडकरी बीजेपी की उस पार्टी लाइन से चिपककर नहीं चलते, जिसमें नेहरू को खलनायक बताने का रिवाज है। वह बीजेपी के अध्यक्ष रह चुके हैं लेकिन देश के विभाजन, कश्मीर समस्या, इमरजेंसी जैसे पुराने मुद्दों का बार-बार अपने भाषणों में इस्तेमाल कर नेहरू-इंदिरा को निशाना बनाने वाले अन्य पार्टी नेताओं के समान घिसा हुआ रिकार्ड बार-बार नहीं बजाते।

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

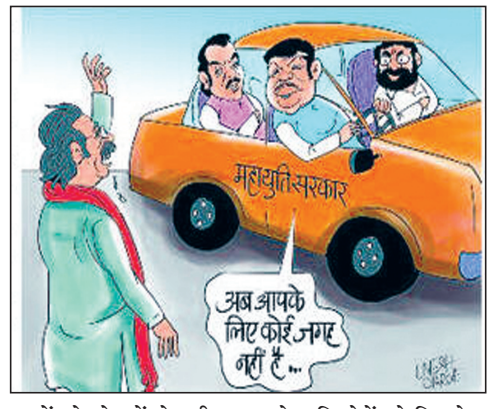
आज पूरे इंदौर शहर में कार्यकर्ता आपस में इस भोज की चर्चा कर रहे हैं, यह कार्यकर्ताओं में एक बहुत अच्छा संदेश गया है जो कार्यकर्ताओं में आपस में मेलजोल को बढ़ाने का एक बड़ा मंच बनेगा। कैलाश विजयवर्गीय पार्टी के निर्देशों और आदेशों का किस तरह पालन करते हैं यह भोज भी इसका एक जीता जागता उदाहरण है। कैलाश विजयवर्गीय की इस पहल को अन्य वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों को अंगीकृत करना चाहिए और इसे तुरंत अपनाया चाहिए जिससे पार्टी अध्यक्ष के निर्देशों का पालन तो होगा ही साथ ही आपस में एक नए भाईचारे का संदेश जाएगा जो भाजपा एक परिवार है इस संदेश को आगे बढ़ाएगा।

# निशानेबाज उद्धव से नहीं होगा मनोमिलन महायुति का गुलजार है चमन

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, जब दो दिलों में दूरियां बढ़ जाती हैं तो यही कहा जा सकता है- हमसे आया न गया, तुमसे बुलाया न गया, फासला प्यार का दोनों से मिटाया न गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ कह दिया कि उद्धव ठाकरे के साथ किसी भी राजनीतिक समझौते की संभावना नहीं है।

हमने कहा, जब बीजेपी के नेतृत्व में महायुति 232 विधायकों के साथ जबरदस्त मेजोरिटी में है तो किसी और को साथ लेने की क्या जरूरत! इसीलिए देवेंद्र ने उद्धव के लिए चो एंटीज का बोर्ड लगा दिया। इससे एकनाथ शिंदे को तसल्ली हुई होगी कि उद्धव को दूर रखा जा रहा है। बीच में फडणवीस और उद्धव की मुलाकात की वजह से अटकलें लगने लगी थीं कि उनके बीच कोई खिचड़ी पक रही है।

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, देवेंद्र फडणवीस तो 2019 में भी सभी सीटों पर बीजेपी को चुनाव मैदान में अकेले उतारने को तैयार थे लेकिन तब पार्टी हाईकमांड ने हिंदुत्व के नाम पर शिवसेना के साथ सीट बंटवारे को कहा था। पुरानी



बातों को छोड़ दें तो यही कहना होगा कि देवेंद्र ने शिवसेना और राकांपा तोड़ने में बड़ी राजनीतिक कुशलता दिखाई। इसे उनकी चाणक्य नीति माना गया, महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता शरद पवार को देवेंद्र ने अपनी कूटनीति से

करारी मात दी। वह दोनों डिप्टी सीएम अजीत पवार और एकनाथ शिंदे को साथ लेकर चल रहे हैं और उनका दावा है कि महायुति सरकार पूरे 5 साल चलेगी। हमने कहा, यह तो मानना होगा कि देवेंद्र फडणवीस का विलंपरवह बहुत मजबूत है। जब वह विश्वक्ष के नेता थे तब भी अपने सत्ता में लौटने का इरादा जताते हुए बार-बार कहते थे- मी पुन्हा येईन (मैं फिर से वापस आऊंगा) मेरा पानी उतरता देखकर मेरे किनारे घर मत बना लेना, मैं समंदर हूँ, फिर लौटकर आऊंगा। उन्होंने सचमुच वापस आकर दिखा दिया!

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, अब मुंबई महापालिका चुनाव में एक ओर उद्धव और राज ठाकरे मिलकर अपनी ताकत लगाएंगे तो दूसरी ओर बीजेपी जोर आजमाएगी। वहीं शक्ति परीक्षण हो जाएगा। यह एक बड़ा मुकाबला होगा क्योंकि वृहन्मुंबई महापालिका का बजट पूर्वोत्तर के सारे राज्यों के कुल बजट से भी ज्यादा है। देखना होगा कि वहां कौन बाजी मारता है।

## शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

**CROSS WORD 11985** - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4
		5	6
7	8	9	
10		11	12
	13	14	
15		16	17
18	19	20	21
22		23	

**ऊपर से नीचे**  
1. मित्रस, माधुर्य 2. नियंत्रित मूल्य और मात्रा में खाद्य या अन्य सामग्री के मिलने की व्यवस्था, खाने-पीने की मिलने वाली सामग्री (अं.) 3. दाह, आग (सं.) 4. माफो 5. परिश्रम 6. तारा, तारों के अंशिकी-भरण आदि सवाइस समूह (सं.) 8. होम, मंत्र पढ़कर धी, जो तैलादि अग्नि में डालने का कृत्य (सं.) 9. सचेत, सावधान 12. पाताललोक में बहने वाली गंगा 14. नाटा, बीना, विष्णु का एक अवतार (सं.) 15. पक्का बड़ा मकान 17. आक का पौधा 19. शरीर, देह 20. प्रातःकाल

**Solution 11984**

अ	द	ह	न	अ	म	
ति	क	व	तु	श्री	श	
श	रा	ब	ह	त	हू	
य	क्रा	सि	ल	ब	र	
सो	ना	प	छा	ड		
सु	ख	प	ह	त	वा	न
ब	ना	ना	ल	न	वा	
ह	व	ज	त	ल	ब	

**बाएं से दाएं**  
1. मदभरी आंखवाली, मस्त नेत्रवाली (सं.) 3. कुशल, निपुण 5. अतिथि 7. जीवन व्यतीत करने और काम करने का ढंग 10. ताप, गर्मी, अधिकार मिश्रित क्रोध का आवेश, कागज का तख्ता 11. लोग, प्रजा 12. बरतन, अभिनेता, वह व्यक्ति जो किसी वस्तु को प्राप्त करने का अधिकारी हो (सं.) 13. नया-नया आया हुआ 16. लेखनी 18. वेतन लेकर काम करने वाला कर्मचारी 21. अशुद्ध, अस्वच्छ 22. तमय, ध्यानमग्न 23. बिना मजदूरी जबर्दस्ती लिया जाने वाला काम

## ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

**आज जिनका जन्मदिन है**

वर्ष के प्रारंभ में पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, आनन्दायक रहेगा, अध्ययन के प्रति आकस्मिक यात्रा का योग है, आर्थिक संसाधनों में सामान्य सुधार होगा, पारिवारिक समस्याओं से कष्ट होगा, वर्ष के मध्य में राजनीति के क्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है, लाभप्रद समाचार मिलेगा, वर्ष के अन्त में मान सम्मान के प्रति सचेत रहें, आर्थिक लाभ होगा।  
मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों

**मेघ**- व्यापारिक क्षेत्र में लोग अडचन पैदा करने की कोशिश करेंगे, कुटुंबियों के कार्यों को करने में व्यस्तता रहेगी, मन में उत्साह बना रहेगा, प्रतिष्ठ प्राप्त होगी।  
**वृषभ**- महत्वपूर्ण योजना को पूरा करने का प्रयास करें, कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी, आर्थिक लाभ का योग है, कामकाजी महिलाओं को कार्य अधिक करना पड़ेगा।  
**मिथुन**- पूर्व योजना के बिना शुरू किये गये कार्यों में असफलता का मुँह देखना पड़ेगा, अनावश्यक कार्यों में समय खर्च होगा, मन में उत्साह दायित्वों की पूर्ति होगी।  
**कर्क**- कोई कचहरी में चल रहे मामले और उलझ सकते हैं, धैर्य से काम लें, किसी व्यक्ति के द्वारा अपमान का शिकार होना पड़ सकता है, कार्यों में रुचि रहेगी।  
**सिंह**- किसी बात को लेकर तनाव रहेगा, विरोधी वर्ग नुकसान पहुंचाने का भरसक प्रयास करेगा, किसी व्यक्ति की सलाह लेना हितकर रहेगा, रूपरेखा पर विचार विमर्श होगा।  
**कन्या**- आप सभी प्रकार की समस्याओं से उबरने में सफल रहेंगे, शुभ समाचारों मिलेगा, परिश्रम सार्थक होगा, अधिकारियों के क्रोध का सामना करना पड़ सकता है।  
**तुला**- पारिवारिक मामलों का समाधान होगा, महत्वपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी।  
**व्यापार व्यवसाय** में सावधानी रखें, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।  
**वृश्चिक**- नए निवेश लाभदायी रहेंगे, मेहनत का फल मिलने लगेगा, कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी, शारीरिक कष्ट तथा मानसिक परेशानियों का समाधान होगा, व्यक्ति का विकास होगा।

**आज जन्मे शिशु का भविष्य**

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ, हंसमुख, मिलनसार, दयालु तथा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होगा, नौकरी या पेशेवर कार्य में संलग्नता रहेगी, परिश्रमी होगा, मनोरंजन यात्रा में विशेष रुचि रहेगी, पिता का भक्त होगा।

**उदयकालीन ग्रह चाल**

8		6	5
9	के.7 मू. चं.शु.	शु.	
10	शु.	4	
11	1	मं. 3	
12	शु.	2	

**पंचांग**

रा.मि. 15 संवत् 2082 श्रावण शुक्ल द्वादशी बुधवासेर दिन 12/41, मूल नक्षत्रे दिन 12/49, वैधृति योगे दिन 8/1, बालव करणे सू.उ. 5/27 सू.अ. 6/33, चन्द्रचार धनु, पर्व- प्रदोष व्रत, शु.रा. 9,11,12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

**त्यापार भविष्य**

श्रावण शुक्ल द्वादशी को मूल नक्षत्र के प्रभाव से लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी, किन्तु आज मंदी रहने पर गेहूँ, चना में तेजी का रूख बना रहेगा, तिलहन में तेजी का योग है, सफेद रंग की वस्तुओं में अचानक तेजी होगी, भाग्यांक 5719 है।

**SUDOKU 7117**

		8		1	5			
2				1	8			
3		4		6	7		9	
5				9				
9		2	3	4		7		
		1						8
4	7	6		5				1
	6	7						4
5	3				2			

**प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें**

**नवभारत सू-कू 7116**

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	7	1	2	3	8
9	3	4	9	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9